ई-संदेश

3 जुलाई, 2025 | अंक 160

सात दिन – सात पृष्ठ

जनपद गोरखपुर स्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के नवनिर्मित ऑडिटोरियम, अकादमिक भवन तथा पंचकर्म केन्द्र का लोकार्पण एवं न्यू गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करती देश की राष्ट्रपति जी के साथ गौरवपूर्ण पल को साझा करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी।

- सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड देश में सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल बनाने वाली अग्रणी संस्थाओं में से एक: मुख्यमंत्री
- एक जनपद-एक उत्पाद' योजना प्रदेश को एक नई पहचान दे रही:मुख्यमंत्री
- हर जनपद में सर्वाधिक जी0एस0टी0 देने वाले दस व्यापारियों का सम्मान हो :मुख्यमंत्री
- भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) ने बरेली को शैक्षणिक और वैज्ञानिक क्षेत्र में एक नई पहचान दी है: मुख्यमंत्री
- समर्थ भारत के लिए स्वस्थ भारत बनाना होगा : मुख्यमंत्री
- हर जनपद में आरोग्यता के लिए एक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्थापना की जाएगी:मुख्यमंत्री
- आयुष विश्वविद्यालय लोकार्पण की झलकियां

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड देश में सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल बनाने वाली अग्रणी संस्थाओं में से एक: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री जी ने 26 जून, 2025 को साहिबाबाद, गाजियाबाद में सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के स्वर्ण जयन्ती समारोह एवं ग्रीन डाटा सेन्टर (टीयर-प्प्प्) के शिलान्यास कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हकार समारोह को गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी तथा केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 जितेन्द्र सिंह ने सी0ई0एल0-ई0एस0डी0एस0 ग्रीन डेटा सेन्टर हेतु भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन कर डाटा सेन्टर की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने सी0ई0एल0 परिसर में पौध रोपण भी किया। कार्यक्रम में सी0ई0एल0 की ओर से भारत सरकार को 21 करोड़ रुपये के लाभांश का चेक भेंट किया गया। सी0ई0एल0 तथा मल्टीइन्फ्रा के मध्य 200 मेगावॉट सोलर मॉड्यूलर के लिए एम0ओ0यू0 भी हस्तान्तरित किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 1974 में स्थापित सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड देश में सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल बनाने वाली अग्रणी संस्थाओं में से एक है। इसने ग्रामीण विद्युतीकरण, सरकारी प्रतिष्ठानों और अक्षय उर्जा पहलों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज देश का ऐसा पहला डेटा सेन्टर यहां स्थापित हो रहा है, जिसके पास ऐसी टेक्नोलॉजी है, जो भारत में दूसरी जगह नहीं है। सी0ई0एल0 देश में अनेक क्षेत्रों में कार्य कर रहा है, जिसमें रेलवे, रक्षा, रिन्यूएवल एनर्जी आदि सम्मिलित हैं। सी0ई0एल0 देश को अपनी प्रौद्योगिकी और इनोवेशन का लाभ दे रहा है। उन्होंने सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सी0ई0एल0) को बधाई देते हुए कहा कि सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 50 वर्ष की शानदार यात्रा के उपरान्त अमृतकाल की ओर अग्रसर है। आज यहां एक नये ग्रीन फील्ड डाटा सेन्टर का भी शिलान्यास किया जा रहा है। सी0ई0एल0 प्रधानमंत्री जी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में अपनी भूमिका का निर्वहन करता हुआ दिखाई दे रहा है।मुख्यमंत्री जी ने सी0ई0एल0 से प्रदेश में इनोवेशन, आर0 एण्ड डी0 के प्रोग्राम तथा नई स्टार्टअप संस्कृति को विश्वविद्यालयों और अन्य अकादमिक संस्थाओं के माध्यम से आगे बढ़ाने का आवाह्न किया।

एक जनपद-एक उत्पाद' योजना प्रदेश को एक नई पहचान दे रही:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि विगत 08 वर्षों में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने हर क्षेत्र में लीक से हटकर कुछ नया करने का प्रयास किया है। प्रदेश के परसेप्शन में आया बदलाव इन्हीं कार्यों का परिणाम है। आज अन्तरराष्ट्रीय एम0एस0एम0ई0 दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश अपनी इस पुरातन पहचान को अपनी विरासत से जोड़कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विकसित भारत की परिकल्पना को एक आधार प्रदान कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी 27 जून, 2025 को यहां लोक भवन में अन्तरराष्ट्रीय एम0एस0एम0ई0 दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न जनपदों के औद्योगिक आस्थान में अवस्थापना सुविधाओं का लोकार्पण, औद्योगिक आस्थान ख्यामई (अलीगढ़) के आवंटियों को आवंटन पत्र, एम0एस0एम0ई0 इकाइयों, सी0एम0 युवा तथा विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक एवं ओ0डी0ओ0पी0 योजना के लाभार्थियों को टूलकिट का वितरण किया। मुख्यमंत्री जी ने जनपद बरेली एवं मुरादाबाद में ओ0डी0ओ0पी0 सी0एफ0सी0 परियोजनाओं तथा लखनऊ के किसान बाजार में नवाचार और उद्यमिता के प्रोत्साहन हेतु 'यूथ अड्डा' का लोकार्पण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के मोबाइल ऐप का शुभारम्भ भी किया। मुख्यमंत्री जी के समक्ष प्रदेश के विशिष्ट उत्पादों को जी0आई0 पहचान दिलाने हेतु एम0ओ0यू0 का आदान-प्रदान किया गया। इस अवसर पर यू0पी0 इण्टरनेशनल ट्रेड शो के तृतीय संस्करण का कर्टेन रेजर भी जारी किया गया। मुख्यमंत्री जी ने एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र के प्रदेश के सभी 96 लाख से अधिक उद्यमियों एवं इन इकाईयों में कार्यरत 02 करोड़ से अधिक कार्मिकों को अन्तरराष्ट्रीय एम0एस0एम0ई0 दिवस की बधाई दी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एम0एस0एम0ई0 यूनिट्स प्रदेश की ताकत हैं। यह रोजगार का सृजन तो करती ही हैं, साथ ही बड़े उद्यमों के लिए एंकर यूनिट का काम भी करती हैं। यदि किसी प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 यूनिट्स का बड़ा नेटवर्क है, तो बड़े उद्यमी वहां आने को प्रोत्साहित होते हैं। उत्तर प्रदेश इस दृष्टि से बहुत समृद्ध हो चुका है। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश इस दिशा में एक लम्बी छलांग लगाने वाला है, जिससे उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने तथा विकसित भारत के प्रधानमंत्री जी के संकल्प को पूरा करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को पहचान के संकट से उबारकर 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना के रूप में अपनी विरासत से जोड़ने का काम किया है। यह योजना उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान दे रही है और करोड़ों नौजवानों के लिए रोजगार के नये अवसर सृजित कर रही है। इसके माध्यम से उत्तर प्रदेश के उत्पादों को अन्तरराष्ट्रीय मान्यता मिली है तथा एक्सपोर्ट के नये रास्ते भी खुल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के परम्परागत उद्यमियों को एक नई पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हमने 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना शुरु की थी। इसके तहत प्रदेश के सभी 75 जनपदों के यूनिक प्रोडक्ट्स को तकनीक, मार्केट, पैकेजिंग तथा डिजाइन से जोड़ने के कार्य किये हैं। अब इन्हें एक्सपोर्ट से जोड़ने का काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र में सर्वाधिक सम्भावनाएं उत्तर प्रदेश में हैं। देश की 14 प्रतिशत एम0एस0एम0ई0 इकाइयां प्रदेश में हैं। संख्या की दृष्टि से प्रदेश में 90 लाख से अधिक एम0एस0एम0ई0 इकाइयां हैं। इसके दृष्टिगत हर जनपद के लिए ऐसे कार्यों की श्रृंखला तैयार की जा रही है, जिससे वहां के स्थानीय उत्पादों को अच्छी डिजाइन, तकनीक, मार्केटिंग तथा पैकेजिंग से जोड़ा जा सके।

तृतीय संस्करण का कर्टेन रेजर जारी किया गया है। यह हमारे हस्तशिल्पियों व कारीगरों को एक वृहद प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तथा प्रदेश के एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र के विकास को डिस्प्ले करने का एक मंच है।

आज यहां मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान 'सीएम युवा' का मोबाइल ऐप भी प्रारम्भ किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रोडक्ट को वैश्विक मान्यता प्राप्त हो सके, इस दृष्टि से हमने वाराणसी के ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन के साथ एम0ओ0यू0 किया है। अब तक उत्तर प्रदेश के 77 प्रोडक्ट को जी0आई0 टैग मिला है और 75 नये प्रोडक्ट को जी0आई0 टैग दिलाने के लिए आवेदन किया गया है। हम प्रदेश के उत्पाद को उसकी पहचान के साथ जोड़ने काम कर रहे हैं।

इसके दृष्टिगत आज यहां जनपद-मुरादाबाद व बरेली के दो कॉमन फैसिलिटेशन सेण्टर का लोकार्पण किया गया है। यह सेण्टर एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र में नई सम्भावनाओं की दिशा में सहयोग करेंगे। उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने अपनी एम0एस0एम0ई0 यूनिट्स को 05 लाख रुपये का सुरक्षा कवच भी दिया है। जिन एम0एस0एम0 ई0 इकाईयों ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है, उन्हें सुरक्षा कवर के रूप में सामाजिक सुरक्षा की गारण्टी उपलब्ध करा दी गयी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ओ0डी0ओ0 पी0 के साथ ही हमने विगत 08 वर्षों में अनेक अन्य योजनाएं भी शुरु की है। निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्क बनाने के लिए प्लेज पार्क योजना लाई गयी है। इसके तहत उद्यम लगाने के लिए कनेक्टिविटी सहित अन्य व्यवस्थाएं सरकार द्वारा दी जा रही है। यह प्लेज पार्क 10 से 50 एकड़ क्षेत्र में बनने हैं। यद्यपि, मांग के अनुरुप उद्यम की स्थापना के लिए भूमि की आवश्यकता की पूर्ति की रही है। तथापि, भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत हॉरिजेण्टल के स्थान पर वर्टिकल रूप में फ्लेटेड फैक्ट्री का कार्य प्रारम्भ किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के युवाओं के लिए 'यूथ अड्डा' बनाने का काम शुरु किया गया है, जहां उन्हें उद्यम की स्थापना से जुड़ी सभी जानकारियां उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही, ओ0डी0ओ0पी0 और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के माध्यम से अपने परम्परागत हस्तशिल्पियों और कारीगरों को टूल-किट वितरण का कार्यक्रम चलाया गया है। उन्हें सस्ते में लोन उपलब्ध कराने का कार्य किया गया। इसके माध्यम से प्रदेश के एक लाख से अधिक हस्तशिल्पी लाभान्वित हुए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश इण्टरनेशनल ट्रेड शो के

हर जनपद में सर्वाधिक जी0एस0टी0 देने वाले दस व्यापारियों का सम्मान हो :मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 28 जून, 2025 को यहां लखनऊ में लोक भवन सभागार में दानवीर भामाशाह जी की जयन्ती की पूर्व संध्या पर आयोजित 'व्यापारी कल्याण दिवस' कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने सर्वोच्च राजस्व कर देने वाले व्यापारियों को भामाशाह सम्मान प्रदान किया और समाज में विशेष योगदान देने वाले व्यापारियों का भी सम्मान किया।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा जब भी हमारा देश स्वदेश, स्वाभिमान और स्वधर्म की रक्षा के लिए महाराणा प्रताप का स्मरण करेगा, तो दानवीर भामाशाह का नाम स्वतः ही सबकी जुबान पर होगा। दानवीर भामाशाह का जन्म 29 जून, 1547 को भक्ति और शक्ति की धरती राजस्थान में हुआ था। वह व्यापारिक वृत्ति के थे एवं उनकी निष्ठा मेवाड़ राजवंश के प्रति थी। उन्हें महामंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। मेवाड़ राजवंश के सभी दान पत्र दानवीर भामाशाह जी द्वारा ही लिखे जाते थे। उन्होंने अपने सम्बोधन में महाराणा प्रताप द्वारा अकबर के विरुद्ध युद्ध में भामाशाह के आर्थिक सहयोग की विशेष चर्चा की और कहा कि महाराणा प्रताप के लिए उस समय सेना का संगठन आवश्यक था, लेकिन यह कार्य कठिन था। दानवीर भामाशाह उन्हें अपनी सम्पत्ति देने के लिए उपस्थित हुए। भामाशाह जी ने कहा कि उनकी जितनी सम्पत्ति है, वह सेना के पुनर्गठन के लिए अर्पित कर रहे हैं। भामाशाह ने यह भी कहा कि जो सम्पत्ति उनके द्वारा अर्जित की गयी है, वह इसी देश से अर्जित की गयी है। इसीलिए वह इस सम्पत्ति को देश के लिए समर्पित कर रहे हैं।

उस समय महाराणा प्रताप को भामाशाह जी ने जो सहयोग किया था, वह 25 हजार सैनिकों के लिए 12 वर्षों तक वेतन, रहने खाने की व्यवस्था तथा युद्ध की सामग्री उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त था। इसी के बल पर महाराणा प्रताप ने फिर से सेना संगठित की और अकबर द्वारा मेवाड़ व चित्तौड़गढ़ के जीते गये किले तथा दुर्गों को वापस लिया। महाराणा प्रताप ने स्वयं को स्वाधीन घोषित किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब भी देश पर संकट आता है, तो हर भारतवासी महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज तथा गुरु गोबिन्द सिंह जी का स्मरण करता है। इन्होंने अपने लिए नहीं, बल्कि देश व धर्म के लिए जीवन जिया था। धर्म इनके लिए उपासना पद्धति मात्र नहीं था, बल्कि एक जीवन पद्धति था। वर्तमान पीढ़ी को महाराणा प्रताप तथा भामाशाह जी के बारे में बताया जाना चाहिए। यह दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भामाशाह जी की जयंती 29 जून को हर वर्ष आयोजित की जानी चाहिए। व्यापारी कल्याण दिवस' के अवसर पर प्रदेश के हर जनपद में सर्वाधिक जी0एस0टी0 देने वाले 10-10 व्यापारियों का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रदेश स्तर पर सर्वाधिक जी0एस0टी0 देने वाले व्यापारियों का राजधानी लखनऊ में भव्य समारोह में सम्मान किया जाना चाहिए। इस दिवस पर ही उन व्यापारियों को जिन्होंने जी0एस0टी0 रजिस्ट्रेशन कराया हो तथा दुर्भाग्यवश किसी दुर्घटना का शिकार हो गये हों, तो व्यापारी कल्याण बोर्ड के माध्यम से 10 लाख रुपये की सुरक्षा बीमा की राशि उनके आश्रितों को वितरित करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी व्यापारियों को अपने स्तर पर रोजगार सृजन और प्रदूषण से मुक्त व्यवस्था देने जैसे कार्यों से जुड़ना चाहिए। प्रदेश सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन रिवर' की परिकल्पना के तहत हर जनपद की एक-एक नदी के पुनरुद्धार का दायित्व लिया गया है। यहां वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी होना है। प्रदेश भर के व्यापारियों को इस अभियान से जुड़ना चाहिए। प्रधानमंत्री जी ने देश के सामने 'एक पेड़ माँ के नाम' का लक्ष्य रखा है। सभी व्यापारी इससे जुड़े और इसे सफल बनाएं। पर्यावरण की सुरक्षा सभी का दायित्व है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार उनके हितों को संरक्षण तथा सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) ने बरेली को शैक्षणिक और वैज्ञानिक क्षेत्र में एक नई पहचान दी है: मुख्यमंत्री

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली के 11वें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन देश की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। समारोह में राष्ट्रपति महोदया ने मेधावी विद्यार्थियों को उपाधियाँ एवं पदक प्रदान किए, वहीं राज्यपाल महोदया ने छात्र-छात्राओं को प्रेरणादायी मार्गदर्शन देते हुए उच्च शिक्षा, अनुसंधान व सामाजिक सेवा के प्रति उनकी भूमिका को रेखांकित किया।इस अवसर पर देश की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान ने अपनी 135 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अर्जित की हैं और पशुओं के कल्याण के क्षेत्र में संस्थान अनुकरणीय उदाहरण बन चुका है।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज की आवश्यकताओं को समझते हुए अनुसंधान और नवाचार द्वारा महिलाओं, बच्चों, किसानों एवं अन्य ज़रूरतमंद वर्गों की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में भी कार्य करना चाहिए। नई शिक्षा नीति के तहत विश्वविद्यालयों को यह भी देखना चाहिए कि छात्रों में कौन-सा कौशल है, वे समाज के किन वर्गों की समस्याओं को हल करने में सक्षम हैं और कैसे अपने ज्ञान को समाज के लिए उपयोगी बना सकते हैं।

समर्थ भारत के लिए स्वस्थ भारत बनाना होगा : मुख्यमंत्री

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी ने 30 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में जनपद गोरखपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रथम दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रथम बैच के छात्र-छात्राओं को उपाधि तथा सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए।

दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रपति जी ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम शिक्षा, सेवा और समर्पण के मूल्यों के प्रति निष्ठा व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है। एम्स गोरखपुर ने बहुत कम समय में चिकित्सा शिक्षा, उपचार और अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। राष्ट्रपति जी ने कहा चिकित्सा एक प्रोफेशन नहीं है, बल्कि 24 घण्टे सेवा का एक क्षेत्र है।

इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह दीक्षांत समारोह उसी सेवा और त्याग को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि जब कोई संस्थान बनता है, तो उसकी नींव में केवल ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि अनेक व्यक्तियों का त्याग और संघर्ष छिपा होता है, विशेषकर किसानों का, जिनकी भूमि पर ऐसे संस्थानों की संरचना होती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने महायोगी भगवान गोरखनाथ की पावन धरा पर राष्ट्रपति जी के प्रथम आगमन पर प्रदेश सरकार और गोरखपुरवासियों की ओर से उनका स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्वी उत्तर प्रदेश और देश में शिक्षा और आरोग्यता को एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में स्थापित किया है। आज राष्ट्रपति जी के सान्निध्य में यहां एम्स का प्रथम दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हो रहा है।मुख्यमंत्री जी ने उपाधि प्राप्तकर्ता सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि एम्स के बीज से लेकर वटवृक्ष बनने तक की यात्रा में वह (मुख्यमंत्री) सहभागी रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर एम्स पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ ही, पश्चिमी उत्तर बिहार और नेपाल राष्ट्र के एक बड़े भूभाग को भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराता है। पटना और गोरखपुर के बीच में बी0एच0यू0 और एम्स के अलावा कोई भी टर्शरी स्वास्थ्य केन्द्र नहीं है। 05 करोड़ की आबादी प्रत्यक्ष और 07 करोड़ की आबादी अप्रत्यक्ष रुप से एम्स, गोरखपुर पर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निर्भर करती है। यह इन सभी के सपनों के साकार होने जैसा है। यह प्रसन्नता का विषय है कि गत वर्ष यहां पर सुपर स्पेशियलिटी (डी0एम0) की पढ़ाई भी प्रारम्भ हो चुकी है।

आज यहां यू0जी0, पी0जी0, सुपर स्पेशियलिटी के साथ ही, नर्सिंग की भी पढ़ाई के कार्यक्रम मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एम्स की स्थापना इसलिए भी हुई थी कि इंसेफेलाइटिस की महामारी से ग्रसित लोगों को यहां पर उपचार की सुविधा मिल सके। यह सुखद अनुभूति का विषय है कि हम इंसेफेलाइटिस बीमारी का पूरी तरह उन्मूलन कर चुके हैं। आज इंसेफेलाइटिस हमारे लिए एक केस स्टडी होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का विजन विकसित भारत के लिए हमें समर्थ भारत बनाना होगा, समर्थ भारत के लिए स्वस्थ भारत बनाना होगा और स्वस्थ भारत के लिए हमें अपनी प्राथमिक या सुपर स्पेशियलिटी हेल्थ केयर के लिए बेहतरीन केन्द्र उपलब्ध कराने होंगे। आज से 08 वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज ही एकमात्र सरकारी मेडिकल कॉलेज था। आज इस क्षेत्र में हर जनपद में एक मेडिकल कॉलेज है। कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, आजमगढ़, गोण्डा, बहराइच, अयोध्या, अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, गाजीपुर, जौनपुर, चन्दौली इन सभी जनपदों में मेडिकल कॉलेज प्रारम्भ हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें अपने आपको तैयार करना होगा। आज यहां एम0बी0बी0एस0 के जिन छात्रों ने राष्ट्रपति जी के कर-कमलों से अपनी उपाधि प्राप्त की है, यह उनके और उनके अभिभावकों के लिए गौरव का क्षण है। यदि आप इंसेफेलाइटिस के उन्मूलन की केस स्टडी से अवगत होंगे, तो यह आपके लिए एक अच्छा अनुभव होगा। यह आपको आगे की पढ़ाई में काम आएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान समय रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट का है। इस सम्बन्ध में आप जितना अधिक कार्य करेंगे, पेशेंट, वहां की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों और वहां के क्लाइमेटिक जोन के बारे में अध्ययन करेंगे, इस सम्बन्ध में आपकी स्टडी जितनी अच्छी होगी, उतना ही अच्छा आपका रिसर्च वर्क सामने आएगा। इस दिशा में कार्य किए जाने की आवश्यकता है। अभी तक आपने क्लास रुम और लैब में स्टडी की है। अब आपका असली जीवन संग्राम शुरु होने जा रहा है। हमें यह ध्यान रखना होगा कि इस क्षेत्र में आपके पास अनन्त सम्भावनाएं हैं। इस दृष्टि से गोरखपुर एम्स का यह प्रथम दीक्षान्त समारोह आपके लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

हर जनपद में आरोग्यता के लिए एक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्थापना की जाएगी:मुख्यमंत्री

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी ने जनपद गोरखपुर में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा करोड़ रुपये की लागत से निर्मित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में प्रदेश के विकास पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन तथा पौधरोपण किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी उपस्थित थे।

महायोगी गुरु गोरखनाथ जैसी विलक्षण विभूति के पवित्र नाम से जुड़े इस इस विश्वविद्यालय का लोकार्पण करके मुझे बहुत प्रसन्नता हुई है। यह लोकार्पण, उत्तर प्रदेश ही नहीं अपितु पूरे देश में मेडिकल एजुकेशन और चिकित्सा-सेवा के विकास में एक मील का पत्थर है।

राष्ट्रपति जी ने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की सर्व-समावेशी एवं उपयोगी दृष्टि के आधार पर हमने विदेश में उत्पन्न हुई चिकित्सा पद्धतियों को भी आयुष पद्धतियों में शामिल किया है। इस विश्वविद्यालय का यह लोकार्पण समारोह आयुष पद्धतियों के पुनर्जागरण का एक महत्वपूर्ण उत्सव है।

राष्ट्रपति जी ने कहा कि यहां उच्चस्तरीय सुविधाओं का निर्माण किया गया है। इन सुविधाओं का लाभ बड़ी संख्या में जन-सामान्य को सुलभ होने लगा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के इस प्रथम आयुष विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट परिकल्पना और निर्माण को दिशा एवं गति प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री जी की सराहना की।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से सामाजिक कल्याण की बुनियादी संरचना को सशक्त करने का कार्य कर रहा है, और यह देखकर प्रसन्नता होती है कि इसमें निरंतर सुधार और विस्तार हो रहा है।राज्यपाल जी ने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षकों की कुशलता और प्रशासन की दूरदर्शिता के समन्वय से यह संस्थान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अपने उद्बोधन में सबसे पहले भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी के गोरखपुर एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास के लिए हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा किमुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज लोकार्पण के साथ ही, इस विश्वविद्यालय में इस नए सत्र में प्रवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का कार्य प्रदेश सरकार द्वारा किया जाएगा। यहां पर आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग व नेचुरोपैथी तथा सिद्धा पद्धति से जुड़ी आरोग्यता की विधाओं का लाभ न केवल यहां के लोगों को प्राप्त होगा, बल्कि यह विश्वविद्यालय रिसर्च और डेवलपमेण्ट केन्द्र के रूप में विकसित होकर यहां के किसानों व युवाओं के लिए ट्रेडिशनल मेडिसिन के क्षेत्र में रोजगार की नई सम्भावनाओं को प्रस्तुत करेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के 06 मण्डलों में आयुष पद्धति का कोई महाविद्यालय नहीं है। सरकार इन मण्डलों में आयुष पद्धति का एक-एक कॉलेज स्थापित करेगी, जिससे वर्तमान पीढ़ी को ट्रेडिशनल मेडिसिन की विधा से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। आरोग्यता के लिए प्रदेश के प्रत्येक जनपद में न्यूनतम 100 बेड से युक्त एक हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर की स्थापना की जाएगी। इनके माध्यम से प्रत्येक जनपद में आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पंचकर्म, क्षारसूत्र सहित आयुष की अन्य पद्धतियों से सम्बन्धित एक-एक केन्द्र प्रदेश सरकार द्वारा अथवा पी0पी0पी0 मोड पर स्थापित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, योग, नेचुरोपैथी, सिद्धा आदि विधाओं तथा दुनिया की आरोग्यता की कुछ अन्य महत्वपूर्ण विधाओं का समन्वय कर आयुष मंत्रालय के रूप में मंच प्रदान किया। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आज आयुष मंत्रालय परम्परागत आरोग्यता की पद्धति का अनुसरण करते हुए सम्पूर्ण आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त कर रहा है।

आयुष विश्वविद्यालय लोकार्पण की झलकियां

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित